



बाघनों को पलामू रज़िर्व में स्थानांतरित किया गया

चर्चा में क्यों ?

सूत्रों के अनुसार, [पलामू टाइगर रज़िर्व \(PTR\)](#) में स्थानांतरित हुए चार बाघों के जीवन नरिर्वहन के लिये दूसरे रज़िर्व से दो बाघनों और एक बाघ को लाने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्य बडिः

- रज़िर्व में स्थापित [सॉफ्ट रलीज़ सेंटर \(Soft Release Centers- SRC\)](#) में 350 जानवरों को स्थानांतरित करने के लिये [केंद्रीय चडिऱियाघर प्राधकिरण](#) की मंजूरी का इंतज़ार है।
 - चीतल, सांभर और हरिणों को स्थानांतरित करने के लिये [राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधकिरण \(National Tiger Conservation Authority- NTCA\)](#) से अनुमति पहले ही प्राप्त हो चुकी है।
- वन अधिकारियों ने बाघों के लिये पर्याप्त भोजन सुनिश्चित करने हेतु चार SRC स्थापित किये हैं, जसिसे उन्हें रज़िर्व में प्रजनन करने में सहायता मिलेगी।
 - इन केंद्रों में पशुओं को पूर्व-मुक्ति पजिर्वों में रखा जाता है, जो उस स्थान के निकट रखे जाते हैं जहाँ उन्हें स्वछंद छोड़ा जाएगा।
- बारेसाढ़, लुकैया, मुंडू और धरधरिया में सॉफ्ट रलीज़ से 10-10 हेक्टेयर क्षेत्र कवर होता है, जसिसे [चीतल](#) के प्रजनन के लिये उपयुक्त वातावरण तैयार होता है, जो बाघों के लिये शिकार का कार्य करेगा।
- चीतल और सांभर को [बेतला राष्ट्रीय उद्यान](#) तथा [भगवान बरिसा जैविक उद्यान \(बरिसा चडिऱियाघर\)](#) से अलग SRC में स्थानांतरित किया जाएगा।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2019 में जारी [भारत में बाघों की स्थिति पर रिपोर्ट](#) के अनुसार, **PTR में कोई बाघ नहीं थे।**
 - PTR करीब **1,230 वर्ग किलोमीटर** क्षेत्र में वसित है। इसे **वर्ष 1973 में बाघ अभयारण्य** बनाया गया था।

केंद्रीय चडिऱियाघर प्राधकिरण

- यह पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत एक [सांविधिक नकियाय](#) है। इसका गठन वर्ष 1992 में [वन्यजीव \(संरक्षण\) अधिनियम, 1972](#) के तहत किया गया था।
- इसके अध्यक्ष [केंद्रीय पर्यावरण मंत्री](#) हैं और इसमें 10 सदस्य तथा एक सदस्य-सचिव हैं।
- प्राधकिरण का मुख्य उद्देश्य समृद्ध [जैवविविधता के संरक्षण में राष्ट्रीय प्रयास को पूरक और मज़बूत बनाना](#) है।
- यह प्राधकिरण [चडिऱियाघरों को मान्यता प्रदान करता है](#) तथा देश भर के [चडिऱियाघरों को वनियमिति](#) करने का भी कार्य करता है।
 - यह [दशिया-नरिदेश और नयिम नरिधारित करता है](#) जसिके तहत जानवरों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चडिऱियाघरों के बीच स्थानांतरित किया जा सकता है।
 - यह चडिऱियाघर कर्मियों के क्षमता निर्माण, नियोजित प्रजनन कार्यक्रमों और बाह्य-स्थाने अनुसंधान पर [कार्यक्रमों का समन्वय और कार्यान्वयन](#) करता है।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधकिरण (NTCA)

- यह [वन्यजीव \(संरक्षण\) अधिनियम, 1972](#) की धारा 38L (1) के तहत एक [वैधानिक नकियाय](#) है।
- इसकी स्थापना वर्ष 2005 में [टाइगर टास्क फोर्स](#) की सिफारिशों के बाद की गई थी।

